नैदानकि परीक्षण

Clinical Trials

आपने शब्दों, “नैदानकि परीक्षण” के बारे में सुना होगा और सोचते होंगे कि यह क्या है। नैदानकि परीक्षण कैंसर इलाज को प्राप्त करने के लयि आधुनकितम ज़रयिा है।

नैदानकि परीक्षण के बारे में समस्त जानकारी लेना व अपने डॉक्टर, नर्स, परजिनों और दोस्तों से बात करके यह नष्किर्ष लगाने में मदद करेगा कि यह इलाज आपके लिए सही होगा या नहीं। सर्फि़ आप यह फैसला ले सकते हैं कि आपको नैदानकि परीक्षण का हस्सिा बनना है या नहीं।

नैदानकि परीक्षण क्या होते हैं?

नैदानकि परीक्षण एक शोध है जो स्वेच्छाकर्मयिों की मदद के साथ कयिा जाता है। इस शोध परीक्षण के द्वारा पता लगाया जाता है कि नये तरह के इलाज कतिने सुरक्षति हैं, या ये कतिने असरदार हैं। नैदानकि परीक्षण के द्वारा रोगों को रोकने के नये उपायों को खोजा जाता है। इन शोधों के द्वारा कैंसर को रोकने, पहचानने और उसका इलाज करने के कई उपायों को ढूंढने में मदद मलिी है।

नैदानकि परीक्षणों का उद्देश्य

नैदानकि परीक्षण का इस्तेमाल नए उपचार या इलाज की नई वधियिों को करीब से देखने के लयि कयिा जाता है। नैदानकि परीक्षण का इस्तेमाल तभी कयिा जाता है जब ऐसा लगता है कि शोध में कयि गये परीक्षण या इलाज अभी कयि जाने वाले (मानक उपचार) इलाज से बेहतर साबति हो सकते हैं। नैदानकि परीक्षण में कयि जाने वाले इलाज ज़्यादातर लाभदायक साबति हुए हैं। अगर ऐसा होता है, तो उसी इलाज को मानक इलाज के रूप में इस्तेमाल कयिा जा सकता है।

नैदानकि परीक्षण के द्वारा इन चीज़ों का परीक्षण कयिा जा सकता है:

- नई दवाइयां जो अब तक एफडीए (आहार औषधी प्रशासन) के द्वारा स्वीकार नहीं की गई हैं
- स्वीकृत औषधयिों का नए सरि से इस्तेमाल

- विकिरण चिकित्सा या शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) जैसे उपचार
- जड़ीबूटी और विटामिन
- बहुत से इलाजों का नए सिरे से एक साथ इस्तेमाल

शोधकर्ता नये इलाज के अध्ययन द्वारा इन सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश करते हैं:

- क्या इलाज लाभदायक है?
- इसको देने का सबसे बेहतर तरीका क्या है?
- क्या इसका इस्तेमाल अभी होने वाले इलाज से बेहतर होता है?
- इस इलाज के दुष्प्रभाव क्या होंगे?
- कौन से मरीज़ों पर इस इलाज का सबसे ज़्यादा फायदा होगा?

नैदानिक परीक्षण में हिस्सा लेने का क्या मतलब है

अगर आप नैदानिक परीक्षण का हिस्सा हैं, तो विशेषज्ञों की एक टीम आपका ध्यान रखेगी और आपकी प्रगति पर खास नज़र बनाए रखेगी। आप डॉक्टर के पास ज़्यादा जाएंगे और प्रयोगशाला में जांच भी मानक इलाज से ज़्यादा होगी।

पर इसके कुछ खतरे हैं। किसी को भी यह पहले से पता नहीं होता कि यह इलाज काम करेगा कि नहीं, या इसके दुष्प्रभाव क्या होंगे। इन्हीं चीज़ों का पता लगाना इस शोध का उद्देश्य है। हालांकि, ज़्यादातर दुष्प्रभाव समय के साथ खत्म हो जाते हैं, फिर भी कुछ काफ़ी अरसे तक रह सकते हैं या ज़िंदगी के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। मगर यह ध्यान में रखें कि मानक इलाज में भी ऐसा हो सकता है।

नैदानिक परीक्षण में भाग लेने का निर्णय करना

अगर आप नैदानिक परीक्षण में भाग लेना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने डॉक्टर से पूछें कि उनकी क्लीनिक में नैदानिक परीक्षण होते हैं या नहीं। नैदानिक परीक्षण में हिस्सा लेने की कुछ शर्तें होती हैं, जैसे आपको एक खास तरह का कैंसर है और आप गर्भवती नहीं हैं। वैसे आप इस परीक्षण में भाग लें या ना, यह आपका निर्णय होगा।

नैदानिक परीक्षण में भाग लेने का यह बिल्कुल मतलब नहीं है कि आप अपने लिए जरूरी दूसरे इलाज नहीं करवा सकते हैं। और आप नैदानिक परीक्षण को कभी भी और किसी भी वजह से छोड़ सकते हैं।

मैं इसके बारे में और कैसे पता लगाऊं?

नैदानिक परीक्षण और अपने कैंसर के प्रकार के बारे में और जानने के लिये अपने डॉक्टर या नर्स से बात करें।

अमेरिका की कैंसर सोसाइटी आपके नैदानिक परीक्षण से जुड़े किन्हीं भी सवालों का जवाब दे सकती है। हमें 1-800-303-5691 पर कॉल करें या ऑनलाइन हमारी वेबसाइट www.cancer.org/clinicaltrials पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

Language: Hindi

Last Medical Review: 11/17/2015
Last Revised: 01/23/2018

2016 Copyright American Cancer Society

For additional assistance please contact your American Cancer Society
1-800-227-2345 or www.cancer.org